नाम.................... अनुक्रमांक..........................

अर्द्ध–वार्षिक परीक्षा, 2022-23

B/5,000

सामान्य हिन्दी

कक्षा—12

समय : 3 घण्टा 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

निर्देश— (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड है, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड (क)

1. निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए—
(क) 'वर्णरत्नाकर' के रचयिता हैं— 1
(i) गोपीचंद (ii) ज्योतिरीश्वर ठाकुर
(iii) विट्ठलनाथ (iv) प्रेमदास
(ख) हिन्दी के प्रचारार्थ 'बनारस अखबार' का प्रकाशन किसने किया? 1
(i) राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्दी' (ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iii) सदासुखलाल (iv) बालकृष्ण भट्ट
(ग) बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित पत्रिका है— 1
(i) हिन्दी प्रदीप (ii) इन्दु (iii) माधुरी (iv) प्रभा
(घ) हिन्दी साहित्य में व्यंग्य के आधार स्तम्भ हैं— 1
(i) श्यामसुन्दर दास (ii) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
(iii) हरिशंकर परसाई (iv) रामवृक्ष बेनीपुरी
(ङ) प्रसिद्ध उपन्यास लेखक हैं— 1
(i) मोहन राकेश (ii) रामकुमार वर्मा
(iii) डा. सम्पूर्णानंद (iv) महावीरप्रसाद द्विवेदी

2. निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए—
(क) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' की रचना है— 1
(i) यशोधरा (ii) रस-कलश (iii) उद्धव-शतक (iv) आँसू
(ख) 'लोकायतन' की विधा है— 1
(i) नाटक (ii) काव्य (iii) भेंटवार्ता (iv) संस्मरण
(ग) 'जयचन्द्र प्रकाश' रचना है— 1
(i) चन्दबरदाई (ii) भट्टकेदार (iii) नरपति नाल्ह (iv) विद्यापति
(घ) प्रगतिवादी युग के कवि हैं— 1
(i) जयशंकर प्रसाद (ii) दिनकर (iii) श्रीधर पाठक (iv) सरदार पूर्णसिंह
(ङ) शोकगीत है— 1
(i) राम की शक्तिपूजा (ii) मौन निमन्त्रण
(iii) सरोज-स्मृति (iv) अँधेरे में

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10
मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग है, पृथिवी हो और मनुष्य न हो तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है। पृथिवी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

संपादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथिवी का पुत्र हैं–

माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः ।
भूमि माता है मैं उसका पुत्र हूँ ॥

जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुंजी है। इसी भावना से राष्ट्र-निर्माण के अंकुर उत्पन्न होते हैं।

(i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है?
(iii) पृथ्वी और जन दोनों मिलकर क्या करते हैं?
(iv) पृथ्वी कब मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है?
(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

मैंने बहुतों को रूप से पाते देखा था, बहुतों को धन से और गुणों से भी बहुतों को पाते देखा था, पर मानवता के आँगन में समर्पण और प्राप्ति का यह अद्भुत सौम्य स्वरूप आज अपनी ही आँखो देखा कि कोई अपनी पीड़ा से किसी को पाये और किसी का उत्सर्ग सदा किसी की पीड़ा के लिए ही सुरक्षित रहे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस शीर्षक से उद्धृत है?
(ii) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए।
(iii) इस गद्यांश में लेखक ने किस भाव को व्यक्त किया है?
(iv) लेखक ने किसके सम्बन्ध में विचार व्यक्त किया है?
(v) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2 × 5 = 10

नीले फूले कमल दल सी गात की श्यामता है।
पीला प्यारा वसन कटि में पहनते हैं फबीला,
छूटी काली अलक मुख की क्रान्ति को है बढ़ाती।
सद्वस्त्रों में नवल तन की फूटती सी प्रभा है॥
साँचे ढाला सकल वपु है दिव्य सौन्दर्यशाली।
सत्पुष्पों-सी सुरभि उसकी प्राण संपोषिका है।
दोनों कंधे वृषभ-वर से हैं बड़े ही सजीले।
लम्बी बाँहें कलभ-कर-सी शक्ति की पेटिका हैं।

(i) राधा पवन के कृष्ण को पहचानने का क्या उपाय बताती है?
(ii) 'अलक' तथा 'सकल' शब्द का अर्थ लिखिए।
(iii) 'कलभ-कर-सी' में कौन-सा अलंकार है?
(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।
(v) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

अथवा

बैठी थी अचल तथापि असंख्य तरंगा,
वह सिंही अबधी हहा! गोमुखी गंगा,
"हाँ, जनकर भी मैंने न भरत को जाना,
सब सुनलें, तुमने स्वयं अभी यह माना।
यह सच हैं तो फिर लौट चलो घर भैया,
अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया।"
दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,
पर अबलाजन के लिए कौन-सा पथ है?

(i) प्रस्तुत पद्यांश में किन-किन पात्रों के बीच संवाद हो रहा है?
(ii) पाठ का शीर्षक एवं रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए।

https://www.upboardonline.com

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) घर लौट चलने के लिए कौन किससे आग्रह कर रहा है?

(v) सिंहनी और गोमुखी गंगा से क्या अभिप्राय है?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का साहित्यक-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए—(शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए—(अधिकतम सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) जयशंकर प्रसाद

6. कहानी कला की दृष्टि से 'पंचलाइट' अथवा 'लाटी' कहानी की समीक्षा कीजिए। (शब्द सीमा 80 शब्द)

अथवा

'बहादुर' कहानी का प्रमुख पात्र 'दिल बहादुर' का चरित्र-चित्रण लिखिए। 5

7. स्वपठित खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

स्वपठित खण्डकाव्य के 'तीसरे सर्ग' का सारांश लिखिए। 5

खण्ड ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

धन्योऽयम् भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानस पावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती, विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयम् सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृत नाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः चत्वारो वेदाः, सर्वा उपनिषदः, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्य, नाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखतानि सन्ति।

अथवा

याज्ञवल्क्य उवाच-न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वैकामाय पुत्रो वितं वा प्रियं भवति। न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

उदेति सविता ताम्रस्ताम्र एवास्तमेति च।
सम्पतौः च विपत्तौ च महतामेकरूपता॥

अथवा

न चौरहार्यं न च राजहार्यं,
न भ्रातभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्द्धत एवं नित्यं
विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किन्हीं **दो** के अर्थ लिखते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए— 1 + 1 = 2

(i) तलवार की धार पर चलना (ii) टका सा जवाब देना

(iii) दाल में काला होना (iv) नमक मिर्च लगाना

https://www.upboardonline.com

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कर लिखिए–

1. विद्यार्थी का सन्धि विच्छेद है– 1

(i) विद्य + अर्थी (ii) विद्या + अर्थी

(iii) विद्य + आर्थी (iv) विदि + आर्थी

2. 'वागीशः' का सन्धि विच्छेद है– 1

(i) वाग् + ईशः (ii) वाक् + ईशः

(iii) वागीं + शः (iv) वा + गीशः

3. 'तथैव' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) तथ + एव . (ii) तथा + वेव

(iii) तथा + एव (iv) तथै + एव

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन के अनुसार चयन कीजिए–

1. 'नाम्नाम्' शब्द में विभक्ति और वचन है– 1

(i) तृतीया विभक्ति, एकवचन (ii) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(iii) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन (iv) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

2. 'जगत्' (संसार) नपुंसकलिंग, सप्तमी विभक्ति, एकवचन का रूप होगा– 1

(i) जगता (ii) जगंति (iii) जगतोः (iv) जगन्ति

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए–

(i) पाक-पाग– https://www.upboardonline.com 1

(अ) पकना और पागना (ब) पाकिस्तान और अफगानिस्तान

(स) पवित्र और पेड़ (द) पका और पगड़ी

(ii) अम्ब-अम्बु– 1

(अ) आम और जल (ब) माता और जल

(स) माता और आम. (द) जल और आम

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए– 2

(अ) कर (ब) मन (स) कुल (द) जोड़

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए–

(i) जो आँखें के समाने हो– 1

(अ) नेत्र सम्मुख (ब) प्रत्यक्ष

(स) आँख के आगे (द) प्रत्येक आँख

(ii) जो जीता जा सके– 1

(अ) अजीत (ब) सर्वजीत

(स) अजेय (द) जयशील

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध कीजिए– 1 + 1 = 2

(अ) लक्ष्मीबाई वीर महिला थी। (ब) हमारी शिक्षिका विद्वान है।

(स) डाल में चिड़िया बैठी हैं। (द) मेरे को अभी जाना है।

12. (क) 'हास्य' अथवा 'शांत रस' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'उपमा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) चौपाई अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

13. किसी विद्यालय के प्रबन्धक के नाम प्रवक्ता पद पर अपनी नियुक्ति हेतु एक आवेदन पत्र लिखिए। 2 + 4 = 6

अथवा

नगर-निगम अधिकारी को सड़क के टूटने की शिकायत तथा मरम्मत सम्बन्धी पत्र लिखें।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए– 9

(i) राष्ट्रीय एकता (ii) आतंकवाद

(iii) विज्ञान और समाज (iv) इण्टरनेट से लाभ और हानि।

https://www.upboardonline.com